ज्ञानदीप

भारत सरकार
रेल मंत्रालय
भारतीय रेल सिविल इंजीनियरिंग संस्थान, पुणे – 411 001
(आई. एस. ओ. : 9001-2000 प्रमाणित भारतीय रेल का प्रथम केंद्रीकृत प्रशिक्षण संस्थान)

ज्ञान ज्योति से मार्गदर्शन
To Beam As A Beacon of Knowledge

Government of India
Ministry of Railways
INDIAN RAILWAYS INSTITUTE OF CIVIL ENGINEERING PUNE 411001
(Indian Railways First ISO-9001-2000 Certified Centralized Training Institute)

संस्थान – डी ओ टी (020)
26122271, 26123436
26123680, 26113452
रेलवे – 55222, 55862

छात्रावास – डी ओ टी (020)
26130579, 26126816
26121669
रेलवे – 53101, 53102, 253103

फैक्स: 020-26128677
रेलवे: 55860, टेलीग्राम: रेलपथ
ई–मेल: mail@iricen.gov.in
वेब साइट : www.iricen.gov.in

वर्ष – 16 | अंक – 63 | जुलाई – सितंबर 2012

ज्ञान ज्योति से मार्गदर्शन To Beam as a Beacon of Knowledge

सभी पाठकों को इरिसेन परिवार की ओर से दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं

इस अंक में

1. इरिसेन में राजभाषा सप्ताह का आयोजन
2. राजीव गांधी राष्ट्रीय ज्ञान–विज्ञान मौलिक पुस्तक लेखन
3. दीक्षा समारोह
4. मुख्य प्रशासनिक अधिकारी (निर्माण) का सेमिनार
5. मुख्य इंजीनियर (टी.पी.) का सेमिनार
6. मुख्य इंजीनियर, कार्य/सी.पी.डी.इंजी. का सेमिनार
7. मुख्य पुल इंजीनियर का सेमिनार
8. वरिष्ठ प्राध्यापक, पुल का विदेश दौरा
9. स्वतंत्रता दिवस समारोह
10. राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 116वीं बैठक
11. स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में योग सत्र
12. इरिसेन छात्रावास मे रक्तदान शिबिर
13. निकट भविष्य में आयोजित पाठ्यक्रम
14. समेकित पाठ्यक्रम मे उत्कृष्टता प्राप्त अधिकारी
15. विदाई / स्वागत
16. सृजन

1. इरिसेन में राजभाषा सप्ताह का आयोजन



राजभाषा सप्ताह के शुभारंभ के अवसर पर निदेशक इरिसेन श्री सी.पी. तायल, डीन श्री एन.सी. शारदा एवं प्राध्यापक रे.प. श्री नीलमणि

भारतीय रेल सिविल इंजीनियरिंग संस्थान, पुणे में दिनांक 12 से 14 सितंबर, 2012 तक राजभाषा सप्ताह का आयोजन किया गया। दि. 12 सितंबर, 2012 को श्री सी.पी. तायल, निदेशक इरिसेन, पुणे द्वारा मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्जवलन के साथ समारोह का विधिवत शुभारंभ किया गया।

राजभाषा सप्ताह के शुभ अवसर पर 'माटुंगा कारखाना सांस्कृतिक अकादमी' के कलाकारों के सौजन्य से 'ब्रेक्रिग न्यूज' नाटक का मंचन किया गया। नाटक में सभी कलाकारों ने अपनी उत्कृष्ट कला का प्रदर्शन किया। श्रोताओं द्वारा इनकी जमकर सराहना की गई।

दिनांक 13 सितंबर, 2012 को श्री नीलमणि, प्राध्यापक, रेलपथ द्वारा प्रश्नमंच का आयोजन किया गया, जिसमें संस्थान के अधिकारियों, प्रशिक्षु अधिकारियों, परिवीक्षार्थियों एवं कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया।

दिनांक 14 सितंबर, 2012 को हिंदी दिवस के पावन पर्व पर निदेशक, इरिसेन श्री सी.पी. तायल एवं प्राध्यापक, रेलपथ श्री नीलमणि ने उपस्थित श्रोताओं को संबोधित किया।



माटुंगा कारखाना सांस्कृतिक अकादमी द्वारा प्रस्तुत नाटक 'ब्रेक्रिंग न्यूज' का दृश्य

संस्थान में जुलाई, 2012 में आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताएं जैसे टिप्पण आलेखन, कंप्यूटर पर टायपिंग, निबंध एवं वाक् इत्यादि में भाग लिए अधिकारियों एवं कर्मचारियों मे से विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किया गया। वर्ष 2011-12 में हिंदी में अधिकाधिक कार्य करने हेतु अधिकारी वर्ग में श्री डी. जी. जोशी, सहा.मंडल वित्त प्रबंधक, श्री लवप्रकाश श्रीवास्तव, खेलकूद अधी., श्री ए.ए. निजामी, सी.से.इंजी. (कंप्यू) को पुरस्कृत किया गया। निबंध प्रतियोगिता में. श्री अतुल घोडेकर, छा. अधीक्षक–प्रथम, श्री नीलेश कुमार गौरव भा.रे.इं.से. (परि.), 2008 बैच– द्वितीय तथा श्री कालूराम जगताप, कार्यालय अधीक्षक तृतीय स्थान पर रहे। वाक् प्रतियोगिता में श्री अफजल निजामी, खलासी–प्रथम, श्री अनंत दसरे, सी.से.इंजी. (अनु.) द्वितीय तथा श्री नीलेश कुमार गौरव, भा.रे.इं.से. (परि.), 2008 बैच–तृतीय। टिप्पण एवं आलेखन प्रतियोगिता में श्री रोहिदास जागड़े, का अधी. ने प्रथम स्थान प्राप्त किया द्वितीय स्थान पर श्रीमती नेहा सप्तर्षि, सहा. ग्रंथपाल तथा तृतीय स्थान पर श्री आनंद कांबले, प्रवर लिपिक रहे। उसी प्रकार हिंदी टायपिंग प्रतियोगिता मे प्रथम स्थान पर श्री रोहिदास जागड़े, का. अधी., श्री आनंद कांबले, प्रवर लिपिक द्वितीय स्थान पर तथा तृतीय स्थान पर 4 विजेता– श्री गणेश श्रीनिवासन, निजी सचिव, श्री ए.ए. निजामी, सी.से.इंजी.(कंप्यू.), श्रीमती विद्या जम्मा,

संरक्षक
श्री चंद्र प्रकाश तायल
निदेशक
भा.रे.सि.इं.सं.पुणे

मुख्य संपादक
शरद कुमार अग्रवाल
उप मुख्य राजभाषा अधिकारी
एवं प्राध्यापक, पुल

संपादक
अरुणाभा ठाकुर
राजभाषा अधीक्षक



आरोह बैंड द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रम का दृश्य

निजी सचिव तथा श्री महेन्द्र मलकप्पा, प्रवर लिपिक रहे। सरकारी कामकाज में मूलरूप से हिंदी में कार्य करने के लिए रेलवे बोर्ड की 20,000 शब्द योजना के अंतर्गत श्री महेन्द्र मलकप्पा, प्रवर लिपिक को ₹ 800/- का नकद पुरस्कार एवं प्रशस्ति–पत्र प्रदान किया गया। हिंदी शिक्षण योजना के अंतर्गत हिंदी टायपिंग परीक्षा में 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने पर श्री रोहिदास जागड़े, का.अधी., को ₹ 800/- एवं हिंदी आशुलिपि परीक्षा में उत्तीर्ण होने पर श्री विजय कुमार को ₹ 800/- का नकद पुरस्कार एवं प्रशस्ति–पत्र प्रदान किया गया।

राजभाषा सप्ताह के समापन के अवसर पर सुहीत अभ्यंकर के 'आरोह बैंड' पुणे द्वारा ऑर्केस्ट्रा का एक संगीतमय कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। बैंड की विशेषता यह है कि इस बैंड के सभी सदस्य इंजीनियरिंग विधा से जुड़े हैं। वे या तो इंजीनियर बन चुके हैं या भिन्न–भिन्न इंजीनियरिंग कॉलेज के विद्यार्थी हैं। श्रोताओं द्वारा उस कार्यक्रम की काफी सराहना की गई।

2. राजीव गांधी राष्ट्रीय ज्ञान विज्ञान मौलिक पुस्तक लेखन



महामहिम राष्टपति श्री प्रणव मुखर्जी से पुरस्कार प्राप्त करते
श्री मनोज अरोरा, वरि. प्राध्यापक रे.प.–I

संस्थान के वरिष्ठ प्राध्यापक, रेलपथ–I, श्री मनोज अरोरा, द्वारा लिखित पुस्तक ''टर्न आऊट–बिछाना, निरीक्षण, अनुरक्षण'' को राजीव गांधी राष्ट्रीय ज्ञान–विज्ञान मौलिक पुस्तक लेखन पुरस्कार योजना में प्रोत्साहन पुरस्कार मिला है। 14 सितंबर, 2012 को हिंदी दिवस के शुभ अवसर पर महामहिम राष्ट्रपति श्री प्रणव मुखर्जी के कर–कमलों द्वारा श्री अरोरा को प्रमाणपत्र, स्मृति चिन्ह एवं ₹ 10,000/- नकद पुरस्कार प्राप्त हुआ। इरिसेन परिवार श्री अरोरा की सफलता के लिए बधाई देता है एवं उत्तरोतर प्रगति की शुभकामनाएं देता है।

3. दीक्षा समारोह



दीक्षा समारोह के अवसर पर डीन श्री एन.सी.शारदा एवं वरि. प्राध्या. पुल श्री विनीत गुप्ता

इरिसेन में दिनांक 16 अगस्त, 2012 को आई.आर.एस.ई.बैच–2009 के प्रशिक्षण की समाप्ति के अवसर पर दीक्षा समारोह आयोजित किया गया। दीक्षा समारोह के आयोजन का उद्देश्य भारतीय रेल की चुनौतियों से भरे काम को प्रारंभ करने से पहले इंजीनियरों में स्फूर्ति का संचार करना है। कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्थान के डीन श्री एन.सी.शारदा द्वारा की गई। वरिष्ठ प्राध्यापक, पुल–I श्री विनीत गुप्ता भी मंच पर उपस्थित थे।

आई.आर.एस.ई.बैंच–2009 के सभी परिवीक्षार्थियों को डीन महोदय के कर–कमलों द्वारा, स्मृति–चिन्ह एवं प्रमाण–पत्र प्रदान किया गया। इस बैच में कुल 12 आई.आर.एस.ई. परिवीक्षार्थी थे जिनमें से दो महिला परिवीक्षार्थी भी थीं। इस अवसर पर डीन ने सभी परिवीक्षार्थियो के सफलतापूर्वक प्रशिक्षण पूरा करने पर खुशी जाहिर की और नई भूमिका के लिए उन्हें बधाई दी। समारोह का संचालन श्री श्याम खोचे, सह प्राध्यापक ने हिंदी में किया।

4. मुख्य प्रशासनिक अधिकारी (निर्माण) का सेमिनार



मुख्य प्रशासनिक अधिकारी (निर्माण) के सेमिनार का दृश्य

इरिसेन में दिनांक 05 एवं 06 जुलाई, 12 को मुख्य प्रशासनिक अधिकारी (निर्माण) का सेमिनार आयोजित किया गया। जिसमें सभी क्षेत्रीय रेलों से 19 अधिकारियों ने हिस्सा लिया। सेमिनार का शुभारंभ निदेशक/इरिसेन के स्वागत भाषण से हुआ। सेमिनार के दौरान विभिन्न प्रस्तावित कार्यसूची मदों पर विस्तार से चर्चा की गई और प्रतिभागियों को अनुभव बताए गए। सेमिनार के दौरान निम्नलिखित प्रस्तुतीकरण भी दिए गए : एस.के.शर्मा, मु.प्र.अधि.(नि.) दक्षिण रेल द्वारा ''ग्रीन बिल्डिंग,'' श्री एम. के गुप्ता मु.प्र.अधि.(नि.) मध्य रेल द्वारा ''मॉर्डन कन्स्ट्रक्शन टेक्निक्स एवं मटेरियल,'' श्री जी.एस.तिवारी, मु.प्र.अधि.(नि.) दक्षिण, पूर्व तटीय रेल द्वारा ''गंगा ब्रिज,'' श्री.बी.डी.गर्ग मु.प्र.अधि.(नि.) उत्तर रेल द्वारा ''कन्स्ट्रक्शन टेक्निक्स इन USBRL प्रोजेक्ट,'' इत्यादि। महाप्रबंधक, मध्य रेल ने भी प्रतिभागियों को संबोधित किया। प्रतिभागियों द्वारा सेमिनार की भरपूर प्रशंसा की गई।

5. मुख्य इंजीनियर (टी.पी.) का सेमिनार



मुख्य इंजीनियर (टी.पी.) के सेमिनार का दृश्य

इरिसेन में दिनांक 8 एवं 9 जुलाई, 2012 को मुख्य इंजीनियर (टी.पी.) का सेमिनार आयोजित किया गया। जिसमें सभी क्षेत्रीय रेलों के 18 अधिकारियों ने हिस्सा लिया। सेमिनार में कार्यकारी निदेशक/ट्रैक./प्लानिंग, रेलवे बोर्ड एवं कार्यकारी निदेशक (क्यू.ए.) सिविल, आरडीएसओ ने प्रतिभागियों को संबोधित किया। सेमिनार के दौरान विभिन्न प्रस्तावित कार्यसूची मदों पर विस्तार से चर्चा की गई। सेमिनार में पिछली मु.रेलपथ इंजी./मु.इंजी (टी.पी.) सेमिनार की सिफारिश की समीक्षा की गई।

6. मुख्य इंजीनियर/कार्य/सी.पी.डी.इंजी. का सेमिनार

इरिसेन में दिनांक 12 एवं 13 जुलाई, 2012 को मुख्य इंजीनियर (प्लानिंग) एवं मुख्य इंजीनियर (कार्य) के लिए सेमिनार आयोजित किया गया। जिसमें सभी क्षेत्रीय रेलों से 21 अधिकारियों ने हिस्सा लिया। सेमिनार का उद्घाटन निदेशक, इरिसेन के स्वागत भाषण से हुआ। श्री. एच.के. जग्गी, सलाहकार (L&A) रेलवे बोर्ड ने प्रतिभागियों को संबोधित किया।



मुख्य इंजीनियर/कार्य/सीपीडी इंजी. के सेमिनार का दृश्य

सेमिनार के दौरान विभिन्न प्रस्तावित कार्यसूची मदों पर विस्तार से चर्चा की गई और प्रतिभागियों को अपने अनुभव बताए गए। सेमिनार के दौरान निम्नलिखित प्रस्तुतीकरण दिए गए : श्री ऋषिकेश कुलकर्णी, निदेशक, VKE– एन्वारमेंटल द्वारा ''ग्रीन बिल्डिंग'' पर, सीमा मल्होत्रा, प्रबंध निदेशक, वेकफील्ड नेमोनिक्स इन्फोनेटवर्क प्रा.लि. द्वारा ''ग्लो फ्लेक्ट/रोड साईन बोर्ड,'' पर डेमो तथा श्री राजकुमार, मु.इंजी. (कार्य), दक्षिण मध्य रेल द्वारा''कॉन्ट्रैक्ट मैनेजमेंट – ऑन लाईन एग्रीमेंट रजिस्टर'' तथा श्री आलोक कुमार, कार्यकारी निदे.सि.इंजी (सा.) रेलवे बोर्ड द्वारा ''आईआरपीएसएम एंड यूनिफाईड एसओआर.'' इत्यादि।

7. मुख्य पुल इंजीनियरों का सेमिनार



मुख्य पुल इंजीनियरों के सेमिनार का दृश्य

इरिसेन में दिनांक 20 एवं 21 सितंबर, 2012 को मुख्य पुल इंजीनियरों के लिए सेमिनार आयोजित किया गया। जिसमें सभी क्षेत्रीय रेलों से 20 अधिकारियों ने हिस्सा लिया। सेमिनार का उद्घाटन निदेशक, इरिसेन के स्वागत भाषण से हुआ। कार्यकारी निदेशक सिविल इंजीनियरिंग /B&S/I रेलवे बोर्ड ने प्रतिभागियों को संबोधित किया। सेमिनार के दौरान विभिन्न प्रस्तावित कार्यसूची मदों पर विस्तार से चर्चा की गई। सेमिनार के दौरान निम्नलिखित प्रस्तुतीकरण दिए गए : श्री वी. बी. सूद, डायरेक्टर/B&S/RDSO द्वारा ''रिसेन्ट मॉडिफिकेशन्स इन ड्राँईंग ऑफ टेम्परारी अरेंजमेंट्स'' पर, श्री शेखर जोशी, एजीएम चुगोकु पेंट्स द्वारा ''चुगोकु पेंट्स'' पर तथा मु.पुल इंजी. पूर्व रेल द्वारा ''बैंक प्रोटेक्शन फ्रॉम रीवर इरोजन ऐट महाराजपुर इन मालदा डिविजन'' तथा श्री एल के. सचान, मु.पुल इंजी. दक्षिण पूर्व रेल द्वारा ''रिगर्डरिंग ऑफ ब्रिज नं. 432,'' इत्यादि।

8. वरिष्ठ प्राध्यापक, पुल का विदेश दौरा



प्रशिक्षण में शामिल भिन्न-भिन्न रेलों के अधिकारी

श्री नरेश लालवानी, वरिष्ठ प्राध्यापक-पुल, इरिसेन को UIC पेरिस में आयोजित 4 सप्ताह के ''इंटरनेशनल स्ट्रेटजिक मैनेजमेंट इंस्टीट्युट'' में प्रशिक्षण के लिए नामित किया गया था। शंघाई, चीन में दिनांक 24.04.2012 से 05.05.2012 तक दो सप्ताह का प्रशिक्षण था । शेष दो सप्ताह का प्रशिक्षण फ्रांस में था। एक सप्ताह दिनांक 18.06.2012 से 23.06.2012 तक पेरिस में तथा दि. 24.06.12 से 30.06.12 तक एक सप्ताह लिथॉन में था। प्रशिक्षण में प्रमुख विषय परिचालन (ऑपरेशन), वित्त (फायनान्स) और नेतृत्व (लीडरशिप) जैसे सामरिक (स्ट्रेटजिक) मुद्दे शामिल थे।

9. स्वतंत्रता दिवस समारोह



संकाय अध्यक्ष श्री एन.सी.शारदा ध्वजारोहण करते हुए

संस्थान में 15 अगस्त, 2012 को स्वतंत्रता दिवस समारोह आयोजित किया गया। समारोह में संकाय अध्यक्ष श्री एन.सी.शारदा ने ध्वजारोहण किया। राष्ट्रगान के उपरांत संकाय अध्यक्ष ने उपस्थित समूह को संबोधित किया। अपने संबोधन में आपने इरिसेन के सर्वांगिण विकास एवं विश्वस्तरीय संगठन की गरिमा बनाए रखने पर विशेष जोर दिया। आपने उपस्थित सदस्यों को कर्तव्य के प्रति जागरूक रहने और रेलवे के कारपोरेट उद्देश्य को पूरा करने में अपना अमूल्य सहयोग देने का वचन दोहराया।

10. राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 116वीं बैठक



राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 116वीं बैठक का दृश्य

दिनांक 26 जुलाई, 2012 को संस्थान के सम्मेलन कक्ष में श्री एन.सी.शारदा, संकाय अध्यक्ष की अध्यक्षता में राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 116वीं बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में राजभाषा के उत्तरोत्तर प्रगति कर विशेष रूप से चर्चा की गई। संकाय अध्यक्ष ने अपने संबोधन में कहा कि इस तिमाही में साहित्यकारों की जयंती पर उनकी रचनाओं की समीक्षा के लिए एक योजना प्रारंभ की गई है, दो सदस्य ने प्रेमचंद की पुस्तकें पढकर समीक्षा प्रस्तुत की । संस्थान में आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के लिए प्रतिभागियों को बधाई दी।

राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक के उपाध्यक्ष, उप मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं प्राध्यापक पुल श्री शरद कुमार अग्रवाल ने राजभाषा की प्रगति पर अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि गत तिमाही में संस्थान में राजभाषा के प्रचार प्रसार और सदस्यों में पुस्तकों मे अभिरूचि जगाने की दृष्टि से नई पहल की गई है। जिसके अतर्गत हिंदी के प्रतिष्ठित साहित्यकारों के जयंती के अवसर पर उनकी रचनाओं पर उत्कृष्ट समीक्षा के लिए प्रोत्साहन योजना चलाई गई है। माह के दौरान रेलवे बोर्ड के अनुदेशानुसार बोर्ड स्तर पर आखिल रेल हिंदी, निबंध, वाक् तथा टिप्पण एवं प्रारुप लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। उपरोक्त सभी प्रतियोगिताओं में प्रतियोगियों की रूचि अत्यंत सराहनीय है। अपने सदस्यों से अनुरोध किया कि यही उत्साह राजभाषा सप्ताह के दौरान आयोजित कार्यक्रमों में भी बनाए रखें ।

11. स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में योग सत्र



स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में योग का दृश्य

''स्वास्थ्य ही जीवन का आधार है,' इसको ध्यान में रखकर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में प्रत्येक मंगलवार और बुधवार को प्रात: 06.30 से 07.30 तक योग सत्र का आयोजन किया जाता है। योग सत्र विश्वविख्यात अयंगर योग केंद्र के प्रशिक्षकों द्वारा चलाया जाता है। इस सत्र का सभी प्रशिक्षु अधिकारी लाभ ले सकते हैं। योग के लिए उपयोगी वस्तुएं सत्र के समय तैयार रखी रखी जाती हैं। ईच्छुक प्रशिक्षार्थी खेल अधीक्षक के पास ₹ 100/- दे कर अपना पंजीयन करा सकते हैं और योग में उपयोगी बेल्ट प्राप्त कर सकते हैं।

12. इरिसेन छात्रावास में रक्तदान शिविर



इरिसेन छात्रावास में रक्तदान शिविर का दृश्य

इरिसेन छात्रावास में दि. 06.08.2012 को रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर इरिसेन के संकाय, प्रशिक्षु अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने रक्तदान किया। रक्तदान शिबिर का आयोजन के.ई.एम.अस्पताल पुणे के तत्वाधान में किया गया था। रक्त दान का उद्देश्य लोगों में सामाजिक जिम्मेदारियों के प्रति जागरूकता पैदा करना होता है।

13. निकट भविष्य में आयोजित विशेष पाठ्यक्रम

क्र.	पा. सं.	पाठ्यक्रम का शीर्षक	प्रारंभ	समापन
1	12422	रेल ग्राइडिंग पर विशेष पाठ्यक्रम	01/10/2012	04/10/2012
2	12424	वरिष्ठ वेतनमान/कप्रश्रे/चश्रे अधिकारियों के लिए ठेके एवं विवाचन पर विशेष पाठ्यक्रम	01/10/2012	05/10/2012
3	12423	रेल ग्राइडिंग पर विशेष पाठ्यक्रम	03/10/2012	05/10/2012
4	12209	वरिष्ठ व्यावसायिक पाठ्यक्रम (रेलपथ)	08/10/2012	02/11/2012
5	12425	ग्रीन बिल्डिंग, यूनिफाईड एसओआर एवं आइआरपी एसएम के लिए विशेष पाठ्यक्रम	10/10/2012	12/10/2012
6	12308	प्रधान मुख्य इंजीनियरों का सेमिनार	18/10/2012	19/10/2012
7	12709	भा.रे.भं.से.(परि.) 2010 बैच के लिए जागरूकता सप्ताह	22/10/2012	25/10/2012
8	12710	भा.रे.भं.से.(परि.) 2010 बैच के लिए जागरूकता सप्ताह	29/10/2012	02/11/2012
9	12601	आईटीइसी/एससीएएपी इंजीनियर के पाठ्यक्रम	26/11/2012	04/01/2013
10	12104	समेकित पाठ्यक्रम	26/11/2012	07/02/2013
11	12204	व.प्र.अ.के लिए पुनश्चर्या पाठ्यक्रम	26/11/2012	04/01/2013
12	12310	प्रशिक्षण सेमिनार	06/12/2012	07/12/2012
13	12711	भा.रे.का.से.(परि.) 2010 बैच के लिए जागरूकता सप्ताह	17/12/2012	21/12/2012
14	12415	ब्रिज एवं आर्च ब्रिज के निरीक्षण पर विशेष पाठ्यक्रम	24/12/2012	28/12/2012
15	12429	अर्थ क्रेक कंक्लेट स्ट्रक्चर सहित ब्रिज डिजाईन सहायकों के लिए विशेष पाठ्यक्रम	24/12/2012	11/01/2013
16	12428	रेल व्हील इंटरेक्शन	31/12/2012	04/01/2013

14. समेकित पाठ्यक्रम में उत्कृष्टता प्राप्त अधिकारी

समेकित पाठ्यक्रम सं. 12102

प्रथम



श्री मनोज कुमार सक्सेना,
ADEN/अजमेर, उ.प.रे.

द्वितीय



श्री अमर कुमार ठाकुर,
AXEN/CON, रांची,द.पू.रे.

तृतीय



श्री प्रतेज कुमार सिंह,
AXEN/CON, कटनी, प.म.रे.

संशोधन (समेकित पाठ्यक्रम सं. 12101)



खेद है कि पिछले अंक में समेकित पाठ्यक्रम 120101 के परिणाम के प्रकाशन में त्रुटी हुई। श्री सुनील कुमार आठवले, समंइजी/टीएमसी, वड़ोदरा, प.रेल द्वितीय स्थान पर एवं श्री मनोज कुमार पाण्डेय, मं.इजि./मुख्या. उ.रेल लखनऊ तृतीय स्थान पर थे।

15. स्वागत/विदाई

क.विदाई



i. भारतीय रेल इंजीनियरिंग सेवा, 1984 बैच के अधिकारी श्री अजय गोयल, वरिष्ठ प्राध्यापक–पुल, इरिसेन, पुणे का स्थानांतरण मध्य रेल पर मुख्य इंजीनियर (ट्रैक मशीन) के पद पर हुआ है। आपने संस्थान में लगभग 6 वर्षो तक कार्य किया है। दिनांक 13 जुलाई, 2012 को आपको संस्थान के कार्यभार से भारमुक्त कर दिया गया। संस्थान आपके उज्जवल भविष्य की कामना करता है।



ii. श्रीमती उर्जिता फड़के, लेखा सहायक, इरिसेन दिनांक 28 सितंबर, 2012 को रेल सेवा से सेवा निवृत्त हो गईं। 04 जून 1977 से रेल सेवा से जुड़ी श्रीमती फड़के ने यातायात लेखा (निर्माण), मुंबई, मध्य रेल में 25 वर्षों तक काम किया। वर्ष 2003 में इनका स्थानांतरण पुणे मंडल मे हुआ और 2007 से इरिसेन के लेखा अनुभाग में आप कार्यरत रहीं। आपकी सेवानिवृत्ति पर संस्थान आपकी दीर्घायु एवं अच्छे स्वास्थ्य की कामना करता है एवं आपको ढेर सारी शुभकामनाएं देता है।

ख. स्वागत



i. भारतीय रेल इंजीनियरिंग सेवा 1988 बैच के श्री विनीत गुप्ता ने 02 अगस्त, 2012 को वरिष्ठ प्राध्यापक, पुल–I का कार्यभार ग्रहण कर लिया है। इरिसेन में नियुक्ति से पहले आप मुख्य इंजीनियर (निर्माण) उत्तर, मुंबई, मध्य रेल पर कार्यरत थे। आपने ''मौलाना आजाद इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी'' भोपाल से सिविल इंजीनियरिंग में स्नातक की डिग्री प्राप्त की है। सहायक इंजीनियर, इगतपुरी, मध्य रेल से आपने अपने कैरियर की शुरूआत की तथा मंडल इंजीनियर मुंबई, मध्य रेल पर कार्य किया है । आप उप मुख्य इंजीनियर (निर्माण), दादर एवं वरिष्ठ मंडल इंजीनियर (समन्वय), भुसावल, मध्य रेल के पद पर भी काम कर चुके हैं। आपने महाप्रबंधक, मध्य रेल, मुंबई के सचिव के पद पर भी काम किया है । संस्थान आपका हार्दिक स्वागत करता है।



ii. श्री राजेश कुमार जायसवाल ने दिनांक 02 अगस्त, 2012 को संस्थान में प्राध्यापक, ट्रैक मशीन का पदभार ग्रहण कर लिया है। इसके पहले आप वरि. मं.इंजी.(मुख्यालय), भावनगर के पद पर कार्यरत थे। आपने वर्ष 1983 में रविशंकर विश्वविद्यालय, रायपुर से सिविल इंजीनियरिंग में स्नातक की उपाधि प्राप्त की। रेलवे में आपकी नियुक्ति वर्ष 1988 में रतलाम मंडल पर रेलपथ निरीक्षक, ग्रेड–I के रुप में हुई। रतलाम–कोटा, राजधानी रूट पर रेलपथ के रखरखाव के लिए आपको अपर महाप्रबंधक तथा महाप्रबंधक स्तर के पुरस्कार प्राप्त हुए। वर्ष 1993 में समूह 'ख' में आपकी नियुक्ति सहा.इंजी.(पूर्व), उज्जैन के पद पर हुई। तदुपरांत आपने कोटा मंडल पर सहा.निरी.इंजी. श्यामगढ़ के पद पर कार्य किया। समेकित पाठ्यक्रम प्रशिक्षण में इरिसेन में आपने प्रथम स्थान प्राप्त किया। वर्ष 2000 में प.रे. मुख्यालय, चर्चगेट पर वरि.इंजी.रहे तथा जून 2000 से जनवरी, 2004 तक इरिसेन में सह प्राध्यापक रहे। तत्पश्चात् इंजीनियरी वर्कशॉप, साबरमती में निर्माण प्रबंधक, मं.इंजी.(रेलपथ) बड़ोदरा, वरि.मं.इंजी.अहमदाबाद, इंजीनियरी वर्कशॉप, साबरमती में मुख्य कारखाना प्रबंधक तथा भावनगर में वरि.मं.इंजी. (PRCL) के रुप में कार्य किया है। संस्थान आपका स्वागत करता है।

16. सृजन

मुंशी प्रेमचंद द्वारा रचित कहानी ''नमक का दारोगा'' पर समीक्षा लेखन

वाराणसी के पास लमही ग्राम में 31 जुलाई, 1880 को जन्में धनपतराय जी 'प्रेमचंद' ने शिक्षक की नौकरी करते हुए अनेक कहानी लिखी। 'नमक का दारोगा' के माध्यम से, लुंज–पुंज सरकारी शासन की नब्ज टटोली है। मुंशी बंशीधर पढ़े लिखे नवयुवक हैं। पिता के कहने पर उन्होंने सरकार द्वारा सृजित नए नमक विभाग में दारोगा की नौकरी शुरू की। नमक के व्यापारिक आवागमन पर प्रतिबंध है। पंडित अलोपदीन बहुत बड़े व्यापारी व तथाकथित रईस व्यक्ति है, जो नमक का व्यापार करता है। वे इस अनाधिकृत व्यापार के कारण ईमानदार दारोगा के कोप का भाजन बनते हैं और अदालत में पेश किए जाते हैं। पंडित अलोपदीन का धन प्रभाव अदालत तक है, वे अदालत द्वारा मुक्त कर दिए जाते है, दूसरी ओर सरकारी महकमा वंशीधर को उनके पद से मुअत्तल कर देता है। घर वापस आने पर वे अपने पिता व पत्नी के कोप का भाजन बनते है। अन्ततः ईमानदारी की विजय होती है। पंडित अलोपदीन. वंशीधर के घर जाते हैं और उन्हें अपने व्यापार का सबसे उंचा पद प्रदान करते हैं।

प्रेमचंद ने समाज में व्याप्त सामाजिक आर्थिक भिन्नता को दर्शाया है। वंशीधर के पिता का वकतव्य, ''लड़कियां घास फूंस की तरह बड़ी हो रही हैं'' व ''नौकरी के ओहदे पर ध्यान मत देना यह तो पीर की मजार है, निगाह चढ़ावे व चादर पर होनी चाहिए'' एक मध्यम वर्गीय परिवार में लड़कियो के प्रति चिंता व घर के खर्च के लिए धन प्राप्ति की लाचारी को दर्शाता है। ईमानदारी पूर्वक नौकरी करना वंशीधर को इतना महंगा पड़ता है कि 'पत्नी ने कई दिन बात नहीं की'। धन की ईच्छा ने निकट संबंध को भी कटघरे में खड़ा कर दिया। पेचीदगी भरी न्याय व्यवस्था, पक्षपाती कर्मचारी वर्ग वर्तमान शासन व्यवस्था को दर्शाता है। अलोपदीन का धन दर्प आज के भौतिकवाद की चरम सीमा को दर्शाता है।

बीसवीं सदी में कहानी लेखन में गुणात्मक परिवर्तन हुए। समसामायिक कहानी ने जनमानस पर अमिट प्रभाव छोड़ा है। इस कहानी में ईमानदारी की अन्ततः जीत होती है। अलोपदीन का कथन, 'आपकी ईमानदारी के सामने योग्यता व विद्वता की चमक फीकी है'। वस्तुतः सत्य है। हमारे समाज को भी ऐसे ही तमाम 'धर्मनिष्ठ दारागाओं' की जरूरत है जो वर्तमान व्यवस्था से भ्रष्टाचार पर अंकुश लगा सकें और प्रगति का मार्ग प्रशस्त हो।

श्री पी.के.सिंह, सहा.का.इंजी./निर्माण, पश्चिम रेलवे, पाठ्यक्रम सं.12102

यह भी जानिए

बचिए–शक्कर, चावल एवं मैदा जेसे सफेद नुकसानदेह पदार्थ से।

परिचय फॉर्मूला 80 **से**– पल्स रेट 80, निम्न रक्तचाप 80, मधुमेह (उपवास) 80, छाती माप 80 सें.मी. एलडीएल (बैड कोलेस्ट्रॉल) 80, भ्रमण पर जाते समय 1 मिनट में 80 कदम चलना, एक समय पर अधिकतम 80 ग्राम भोजन एवं प्रचूर विटामिन 'डी' के लिए वर्ष में कम से कम 80 दिन धूप में बैठना चाहिए।

सौजन्य : श्री एस.के.गर्ग, वरि.प्राध्यापक, कार्य.

वास्तविक शिक्षा का यह आवश्यक अंग होना चाहिए कि जीवन संग्राम में प्रेम द्वारा घृणा पर, सत्य द्वारा असत्य पर तथा सहनशीलता द्वारा बलप्रयोग पर सहजता से विजय प्राप्त किया जा सके।

– मोहनदास करमचंद गांधी

शरद कुमार अग्रवाल, उप मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं प्राध्यापक, पुल, भारतीय रेल सिविल इंजीनियरिंग संस्थान, पुणे–1 द्वारा केवल सीमित निशुल्क वितरण हेतु प्रकाशित